बीबीएयू शिक्षक और शोधार्थी ने औद्योगिक अपशिष्ट को उपयोगी जैव उर्वरकों में परिवर्तित करने की तकनीक विकसित की

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के डीन अकादमिक एवं पर्यावरण विज्ञान में प्रोफेसर राणा प्रताप सिंह ने रूबी इंटरनेशनल ट्रेडर्स, नोएडा को परामर्श के साथ उनके एईवी ऑयल, जिम्मा, इथियोपिया के औद्योगिक संस्थान में जैव उर्वरकों के उत्पादन से जुड़ी तकनीक का प्रदर्शन किया , जिसके लिए उनके शोध छात्र श्री पवन कुमार 21 दिनों के लिए जिम्मा , ईथिओपिआ के कारखाने में अवोकेडो के अवशिष्ट को उपयोगी खाद में बदलने की तकनीक लागू की जिसे बाबासाहेब भीमराव विश्वविद्यालय में विकसित किया गया था । इसके अंतर्गत तेल निष्कर्षण के दौरान निकलने वाले लगभग 40 टन एवोकैडो कचरे को परिवर्तित करके जैव उर्वरक का उत्पादन किया जाएगा।

प्रोफेसर सिंह और उनके शोध छात्र पवन कुमार ने हाल ही इस तकनीक को विकसित किया था जो जिम्मा के कारखाने में औद्योगिक अपशिष्ट को उपयोगी जैव उर्वरकों में परिवर्तित करने में तकनीक का प्रदर्शन करने में सफल रहा .उन्होंने जैव उर्वरकों में अपशिष्ट रूपांतरण में तेजी लाने के लिए अंतर्जात और आयातित लाभकारी मिट्टी के रोगाणुओं, विशेष रूप से स्यूडोमोनास अरामाइकोइड्स और ट्राइकोडर्मा विरडी के उपभेदों का टीकाकरण किया। 10x10m2 प्लॉट आकार के तीन प्रतियों में विकसित जैव उर्वरक स्थानीय फसलों जैसे स्वीट कॉर्न, अनानास, हल्दी, पपीता, केला, कॉफी और टेफ पर लागू किए गए । प्रारंभ में, उपचार का पौधे की वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। प्रौद्योगिकी के भविष्य के परिणामों के लिए फसलों पर आगे भी शोध किया जा रहा है।

BBAU faculty and research scholar collaborated with industry in Ethiopia

A consultancy of Professor Rana Pratap Singh, Dean Academic Affairs and Professor in environmental science with Ruby International traders, Noida yielded a collaboration with their industrial set up AEV Oil, Jimma, Ethiopia for production of bio fertiliser by converting about 40 tons of the avocado waste produced during oil extraction. Pawan Kumar, a Ph.D. student working with Professor Singh, recently visited Jimma, Ethiopia for about three weeks to demonstrate the technology of converting Industrial agro waste into useful bio fertilisers in their industry's premises. He inoculated endogenous and imported beneficial soil microbes, particularly strains of Pseudomonas aramycoides and Trichoderma virdie, to accelerate waste conversion into bio fertilisers. In a triplicate of 10x10m2 plot size, the developed bio fertilisers were applied to local crops such as Sweet corn, Pineapple, Turmeric, Papaya, Banana, Coffee, and Tef. Initially, the treatment had a positive effect on plant growth. The crops are being researched for the technology's future outcomes.


12



